सितारों ने की इसरो के प्रयासों की सराहना

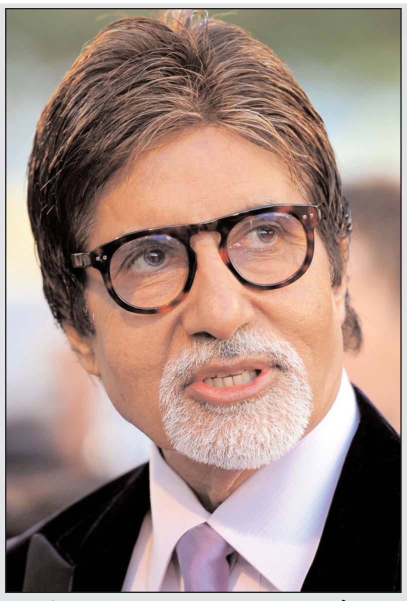

मिशन चंद्रयान 2 लगभग असफल हो चुका है। इसरो के वैज्ञानिकों को भी अब चंद्रयान 2 के लैंडर और रोवर से दोबारा संपर्क की कोई उम्मीद नहीं है। हालांकि भले ही यह मिशन फेल हो गया हो लेकिन इस मिशन के लिए सभी लोग भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों की तारीफ कर रहे हैं। बॉलिवुड के सिलेब्रिटीज ने भी इस इसरो के प्रयासों की सराहना की है। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपनी मशहूर फिल्म 'अग्निपथ' की कविता शेयर करते हुए लिखा, 'गर्व कभी हार का सामना नहीं करता... हमारा गर्व, हमारी जीत... आप पर गर्व है इसरो।'

सुपरस्टार शाहरुख खान ने इसरो की सराहना करते हुए लिखा कि कई बार हम जहां पहुंचना चाहते हैं वहां नहीं पहुंच पाते। सबसे जरूरी बात है कि हम लक्ष्य को पाने के लिए निकल पड़े हैं और हमें पूरी उम्मीद और विश्वास है कि हम कर सकते हैं। हमारी वर्तमान स्थिति कभी भी हमारी मंजिल नहीं हो सकती। मंजिल हमेशा समय और विश्वास के साथ मिलती है। आप पर गर्व है इसरो।

बॉलिवुड के मशहूर प्रड्यूसर-डायरेक्टर करण जौहर चंद्रयान 2 पर इसरो की सराहना करते हुए लिखा

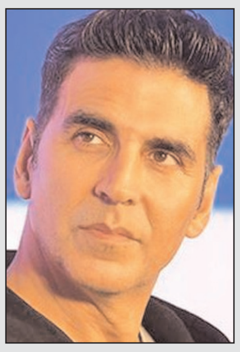

कि इसरो की बेहतरीन प्रयासों की सराहना और सैल्यूट करता हूं। वे लगातार जो काम कर रहे हैं उस पर गर्व है... ऐसे देश का हिस्सा होने पर गर्व है जिसके पास इतने जीनियस दिमाग हैं।

सुपरस्टार अक्षय कुमार ने इसरो की कोशिशों की तारीफ करते हुए लिखा कि एक्सपेरिमेंट के बिना कोई साइंस नहीं होती। कई बार में हम सफल होते हैं और कई बार हम सीखते हैं। इसरो के इन प्रतिभाशाली वैज्ञानिको को सलाम और हमें उम्मीद है कि चंद्रयान 2 जल्द ही चंद्रयान 3 के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। हम जल्द वापसी करेंगे।

ऐक्टर से पॉलिटिशन बने सनी देओल ने ट्वीट कर लिखा कि कम्यूनिकेशन टूटा है उम्मीद नहीं। हमें आप पर गर्व है इसरो। हाल में फिल्म 'मिशन मंगल' में

दिखाई दीं तापसी पन्नू ने इसरो की तारीफ में लिखा कि मेरा गला रुंध गया और आखों में आंसू आ गए किसी और चीज के लिए नहीं बल्कि यह देखकर कि आपने किस तरह हमारे पूरे देश उम्मीद और आशाओं में एक साथ बांध दिया। जब आप अपनी सबसे लंबी छलांग लाने वाले होते हैं तो कुछ कदम पीछे हटने में कोई बुराई नहीं है। आप हमारे हीरो हैं इसरो। बॉलिवुड के दिग्गज कलाकार अनुपम खेर ने इसरो के प्रयासों की तारीफ करते हुए लिखा कि गिरते हैं शहसवार ही मैदान-ए जंग में, वो तिफ्ल क्या गिरे जो घुटनों के बल चले। वेल डन इसरो... हमें आप पर गर्व है।

मधुर भंडारकर ने ट्वीट कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसरो में सभी को प्रोत्साहित करते और सांत्वना देते देखना दिल को छू गया। एक भारतीय के तौर पर हम सभी चंद्रयान 2 प्रोजेक्ट से जुड़े अपने वैज्ञानिकों, इंजिनियरों और तकनीशियंस पर गर्व करते हैं। जय हिंद। फिल्म डायरेक्टर अनुभव सिन्हा ने इस मिशन के सफल होने की उम्मीद करते हुए लिखा कि मुझे

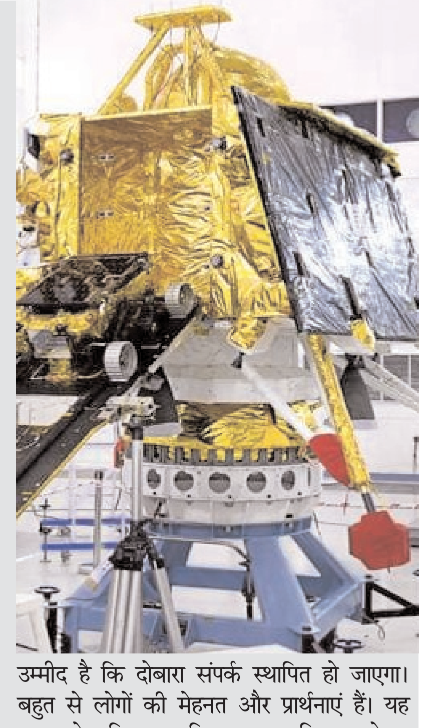

उम्मीद है कि दोबारा संपर्क स्थापित हो जाएगा। बहुत से लोगों की मेहनत और प्रार्थनाएं हैं। यह जरूर होगा विश्वास रखिए। बहुत बढ़िया इसरो।

खत्म हुआ फिल्मी भाई-बहनों का दौर

बॉलीवुड अब सफलता की नई बुलंदियों को छू रहा है और अगर यह कहा जाए कि पिछले कुछ सालों के दौरान इसका चेहरा पूरी तरह से बदल गया है तो गलत नहीं होगा। जो रोमांस पहले फूलों को आपस में टकराकर दिखाया जाता था, उसे अब होठों को मिलाकर दिखाया जाता है। एक तरह का जो पर्दा था वह अब हटने लगा है। डायलॉग के मामले में भी अब फिल्मों में द्विअर्थी संवादों की भरमार रहने लगी है। इस दौर में बहुत सारी चीजें पीछे छूट गई हैं। छूट गया एक ऐसा ही प्रकरण है भाई-बहन का प्रेम। पुराने जमाने की फिल्मों में अगर भाई-बहन के भावनात्मक एवं संवेदनशील संबंध को नहीं दिखाया जाता था तो कहानी अधूरी ही रहती थी।

कुछ अभिनेत्रियां तो बहन की भूमिका निभाने की एक तरह से विशेषज्ञ ही हुआ करती थीं। पुरानी फिल्मों की एक प्यारी सी अभिनेत्री हुआ करती थी-नाज जिसने अपने पूरे कैरियर में अनगिनत बार बहन की भूमिकाओं को साकार किया था। फिल्म 'सच्चा झूठा' का लोकप्रिय गाना ''मेरी प्यारी बहनियां बनेगी दुल्हनियां, सज के आएंगे दूल्हे राजा भैया राजा बजाएगा बाजा'' राजेश खन्ना और नाज पर ही फिल्माया गया था। आजकल टेलीविजन धारावाहिकों में सक्रिय फरीदा जलाल ने हालांकि आराधना फिल्म में राजेश खन्ना की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी लेकिन बाद में उन्होंने बहन की भूमिका में जैसे विशेषज्ञता ही हासिल कर ली।

मशहूर फिल्म 'बंदनी' का गाना 'अब के बरस भेज भैया को बाबुल' आज भी किसी भी भावुक व्यक्ति की आंखों में आंसू बहा सकता है। 'नया दौर' के भाई-बहन को कभी भी नहीं भुलाया जा सकता है। राजेश खन्ना की 'सच्चा झूठा' और अमिताभ बच्चन की 'मजबूर' में भी बड़े ही संवेदनशील तरीके से बहन-भाई के प्रेम को दर्शाया गया था। अंधा कानून फिल्म में हेमा मालिनी ने दक्षिण के विख्यात अभिनेता रजनीकांत की बहन की भूमिका निभाई थी। लेकिन बदलते हुए समय के साथ-साथ यह सब आउटडेटेड हो गया है।

राखी या भाई-बहन के प्रेम को दर्शाने वाले किसी लोकप्रिय गाने का फिल्मांकन हुए बहुत लंबा समय बीत चुका है। जमाना बदल रहा है। अब सगे तो सगे मुंहबोले भाई-बहन का वक्त भी बीत गया है। अब तो बस दोस्त है। उन्हीं दोस्तों में से कोई लड़की बहन जैसी प्यारी है। लड़की को भी कोई लड़का अपने भाई जैसा लग सकता है, मगर अब किसी को भाई या बहन कहना खतरे से खाली नहीं है। उससे राखी बंधवाने का कोई सवाल नहीं उठता है। अब दिली लगाव को कोई नाम देने की जरूरत नहीं रही। उल्टे अब अगर लड़की किसी लड़के को भाई साहब या लड़का किसी लड़की को बहनजी बोल दे तो बात बिगड़ जाने की अधिक संभावना रहती है। जिसे भाई या बहन कहा जाए वह नाराज हो जाता है। कोई भी अब भाई या बहन बनना नहीं चाहता। हर कोई हॉट लगना चाहता है। प्रेमी बनना चाहता है।

लेकिन इस बदलाव की आलोचना करने की कोई जरूरत नहीं है। समय बदल चुका है। वर्तमान पीढ़ी ज्यादा व्यावहारिक है। तीन-चार पीढ़ी पहले होता यह था कि लड़का अपने दायरे की लड़कियों को बहन बोलता था और लड़कियां भाई। मगर बाद में जब इनमें प्यार-व्यार हो जाता था तो एक बेवजह का अपराध बोध दोनों को घेरे रहता था। पहले लड़का और लड़की भाई-बहन के रिश्ते की आड़ में बात कर पाते थे, मिल पाते थे। अब उस आड़ की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। फिल्मों में मुद्दत से ऐसा कोई प्रसंग नहीं आया है, जिसमें भाई-बहन का प्यार उजागर हो। अब पुराने ढंग का रक्षाबंधन वाला गीत नहीं चल सकता। अब तो स्क्रिप्ट ऐसी होनी चाहिए कि गाना या भाई-बहन वाला प्रसंग उपयुक्त दिखाई दे सके।

बहुत पहले की बात नहीं है जब रक्षाबंधन के दिन रेडियो पर सुबह से शाम तक राखी के गाने बजते थे। लेकिन टेलीविजन मीडिया के इस दौर में यह एक तरह से आउट ऑफ फैशन जैसा हो गया है। रात और दिन गाना सुनाने वाले एफएम रेडियो पर भी एकाध राखी गीत सुनाकर खानापूर्ति भर कर ली जाती है। उन बेचारों की भी गलती नहीं है। जब

नए गाने बन ही नहीं रहे हैं तो फिर वे सुनाएंगे क्या? मजे की बात तो यह है कि पूरी दुनिया में अपने यहां ही भाई राखी बंधवाकर बहन की हिफाजत का वचन देता है। कई बार भाई छोटा होता है और बाहर सभी मुसीबतों और तकलीफों से बहन ही उसकी हिफाजत करती है। कई छोटे भाइयों को राखी के दिन भी बहन ही नहलाती है। नए कपड़े पहनाती है और पटिए पर बैठाकर तिलक लगाकर राखी बांधती है। भाई उसकी रक्षा का वचन देता है और बहन से नाक भी पुछवाता है। मगर छुटपन की यह उलट बातें हटा दें तो यह एक ऐसा त्योहार है जिसके कारण भाई का संबंध और मेल मिलाप जिंदगी भर बना रहता है। वर्ना शादी के बाद कहां का भाई और किधर की बहन? सब अपने-अपने घरबार के हो जाते हैं।

फिल्मों से भाई-बहन का रिश्ता इसलिए गायब हो गया है क्योंकि संयुक्त परिवार ही मिट से गए हैं। उनकी कहानियां गायब हो चुकी हैं। बहन ही नहीं दादा, चाचा, चाची सब गुमशुदा हो चुके हैं। फिल्मों में अब एक लड़का है, जो मानों झाड़ पर उगा है और लड़की है, जो मानों खदान से निकली है। दोनों के माता-पिता और परिवार कहानी से गायब होते हैं। अगर कुछ होते भी हैं तो बस नाम के लिए। तो जब परिवार ही गायब हो रहा है तो फिल्मों में भाई-बहन भला कहां बचने वाले हैं।

हां, टेलीविजन धारावाहिकों में बहन-भाई अवश्य दिखाई दे रहे हैं। लेकिन यहां भी माहौल बदला ही हुआ है और बहन को अपने भाई से स्नेह की बजाय अपनी भाभी के खिलाफ साजिश करते हुए अधिक दिखाया जाता है। वैसे भी धारावाहिकों में प्रेम होता ही कहां है, सारी कहानी तो साजिश में लगे हुए चेहरों पर केंद्रित रहा करती है। ऐसा नहीं है कि पुरानी फिल्मों में साजिश करती हुई बहनें नहीं हुआ करती थीं। अभिनेत्री शशिकला को ऐसी भूमिकाओं की विशेषज्ञ समझा जाता था जिसे अपनी फिल्मी मां ललिता पवार के साथ मिलकर भाई-भाभी के खिलाफ साजिश करते हुए दिखाया जाता था। इन खलनायिकाओं को बहुत अधिक लोकप्रियता भी हासिल थी। लेकिन आज की फिल्मों में खलनायिका का उपयोग यही है कि उससे अधिक से अधिक अंग प्रदर्शन करवाया जा सकता है। ये और बात है कि साजिश करने वाली बहनों की बजाय अपने भाई की खुशी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देने वाली बहनों की संख्या अधिक होती थी।

बहुत पहले की बात नहीं है जब रक्षाबंधन के दिन रेडियो पर सुबह से शाम तक राखी के गाने बजते थे। लेकिन टेलीविजन मीडिया के इस दौर में यह एक तरह से आउट ऑफ फैशन जैसा हो गया है। रात और दिन गाना सुनाने वाले एफएम रेडियो पर भी एकाध राखी गीत सुनाकर खानापूर्ति भर कर ली जाती है। उन बेचारों की भी गलती नहीं है। जब नए गाने बन ही नहीं रहे हैं तो फिर वे सुनाएंगे क्या? मजे की बात तो यह है कि पूरी दुनिया में अपने यहां ही भाई राखी बंधवाकर बहन की हिफाजत का वचन देता है। कई बार भाई छोटा होता है और बाहर सभी मुसीबतों और तकलीफों से बहन ही उसकी हिफाजत करती है।

कैटरीना कैफ

'संकट में होती हूं तो सलमान खान को पता चल जाता है'

बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कैटरीना कैफ का कहना है कि वह जब कभी संकट में होती हैं तो सलमान खान को इसका पता चल जाता है। कैटरीना कैफ और सलमान खान की केमिस्ट्री को जितना ऑन स्क्रीन देखकर फैंस खुश होते हैं, उतना ही उनकी जोड़ी को ऑफ स्क्रीन भी पसंद की जाती है! अक्सर सोशल मीडिया यूजर्स और उनके फैंस के बीच इनके रिलेशनशीप को लेकर बातें की जाती हैं लेकिन इन दोनों ने ऐसी खबरों को हमेशा अफवाह करार दिया है। कैटरीना कैफ ने बताया कि उनका और सलमान खान का रिश्ता क्या है। कैटरीना ने बताया कि सलमान खान के साथ उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री जैसी है वैसी रियल लाइफ में नहीं हैं। कैटरीना ने सलमान खान की तारीफ करते हुए कहा

कि सलमान ने मेरी हर तरह से मदद की है। एक दोस्त होने के नाते उन्होंने वास्तव में मेरी पीठ थपथपाई है। मेरे जीवन में कुछ ऐसे भी पहलू आए जब जिंदगी बहुत ही कठिन दौर से गुजरने लगी थी। ऐसे में ना ही मेरे पास संपर्क था और न ही कुछ नजर आ रहा था। बस जिंदगी चले जा रही थी लेकिन अचानक से सब कुछ खत्म हो गया और हम फिर वहां आ गए जहां हमें होना चाहिए।

शाहरुख खान

अली अब्बास की फिल्म में करेंगे काम

किंग खान शाहरुख खान, निर्देशक अली अब्बास जफर की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। शाहरुख खान ने अंतिम बार आनंद एल राय की फिल्म जीरो में काम किया था। फिल्म में उनकी को-स्टार कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नकार दी गयी थी। इस फिल्म के बाद शाहरूख ने कोई फिल्म साइन नहीं की। वह इस अपने परिवार के साथ वक्त बिता रहे हैं और उन्होंने कोई प्रॉजेक्ट साइन नहीं किया है। कहा जा रहा है कि शाहरुख, अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र में स्पेशल रोल प्ले करेंगे। चर्चा है कि शाहरुख अली अब्बास जफर की एक्शन फिल्म में नजर आएंगे। शाहरूख को फाइनली वैसी स्क्रिप्ट मिल गई है जैसी वह चाहते थे। शाहरुख को अली का काम हमेशा से पसंद था और उन्हें लगता है कि वह अपनी फिल्मों में एक्शन और इमोशन का सही बैलेंस रखते हैं। वहीं अली भी हमेशा से शाहरुख के साथ काम करना चाहते थे और फाइनली ऐसा हो भी रहा है। हालांकि इस पर ऑफिशल अनाउंसमेंट होना बाकी है। जीरो के बॉक्स ऑफिस पर असफल होने के बाद शाहरुख ने फिल्मों से ब्रेक लिया है और वह सोच-समझकर फिल्में साइन कर रहे हैं।

ऋचा चड्ढा ने किया सूइसाइड का नाटक

ऋचा चड्ढा और अली फजल भले ही अपने रिलेशनशिप के बारे में ज्यादा बात न करें लेकिन सबको पता है कि वक्त के साथ उनका प्यार गहराता जा रहा है। इंडस्ट्री में जहां इतने दिल टूटने की खबरें आ रही हैं, ऋचा ने अली के साथ अपने रिलेशनशिप के बारे में एक टीवी शो के एक एपिसोड के दौरान बताया। ऋचा ने बताया कि दोनों के बीच समानताओं और एक-दूसरे से प्रैंक करने के बीच कैसे अली उनके लिए पर्फेक्ट बॉयफ्रेंड हैं। उन्होंने बताया कि 31 मार्च को दोनों टीवी पर काफी डिप्रेसिंग फिल्म देख रहे थे। वह बताती हैं कि मैं एक ऐक्ट्रेस हूं तो मैं रोती जा रही थी और कह रही थी कि जिंदगी बेकार है। मैंने सफेद लंबी वाइट ड्रेस पहन रखी थी। वह फिल्म देख रहे थे और मैंने उनसे कहा कि मैं आती हूं और किचन की तरफ चली गई। मैंने कई सारी प्लेटें फेंक दीं और सूइसाइड का नाटक किया। मैंने खुद को चाकू मारा और नकली खून लगा लिया। ऋचा बताती हैं कि यह देखकर अली एकदम डर गए थे।

कॉन्ट्रोवर्सी क्वीन राखी सावंत

कॉन्ट्रोवर्सी क्वीन राखी सावंत हाल ही में उस वक्त नई मुसीबत में फंस गई जब वह छप्पन छुरी गाने के लॉन्च इवेंट में एकदम पारदर्शी ड्रेस पहनकर पहुंच गईं। उनके आउटफिट की वजह से उन्हें नेटिजन्स ने काफी क्रिटिसाइज किया। हाल ही में एनआरआई से शादी का दावा करने वाली राखी ने इस पर रिऐक्ट किया है। राखी बताती हैं कि उन्हें नहीं पता था कि उनकी ड्रेस ट्रांसपैरेंट है। उन्होंने सारा दोष मीडिया की लाइट्स पर लगा दिया। अपने प्रफेशन और मां की कसम खाते हुए राखी ने कहा कि वह सिर्फ हॉलिवुड ऐक्ट्रेसस की तरह ग्लैमरस दिखना चाहती थीं इसीलिए उन्होंने इतना चमकीला गाउन चुना। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि यह इतना ट्रांसपैरेंट है वर्ना वह न पहनतीं। एक मीडिया इंटरैक्शन के दौरान राखी ने कहा कि कसम खाती हूं जब मेरे डिजाइनर ने मुझे दिया तो मुझे बिलकुल नहीं पता था कि यह गाउन इतना ट्रांसपैरेंट होगा। क्योंकि जब आप गाउन पहनते हो, 25 किलो का इतना वेट था, डायमंड लगे हुए थे उसपे लेकिन जब मीडिया की सारी लाइट मेरे गाउन पे आई तो मुझे पता चला कि ओह शिट इसमें तो मेरा पूरा बॉडी दिख रहा है। राखी आगे बोलती हैं कि मेरी रोजी रोटी की कसम, मेरी मां की कसम, मैं कल सुबह का सूरज न देखूं मुझे बिलकुल नहीं पता था कि ड्रेस इतना ट्रांसपैरेंट होगा वरना मैं कभी न पहनती।

अपने प्रफेशन और मां की कसम खाते हुए राखी ने कहा कि वह सिर्फ हॉलिवुड ऐक्ट्रेसस की तरह ग्लैमरस दिखना चाहती थीं इसीलिए उन्होंने इतना चमकीला गाउन चुना। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि यह इतना ट्रांसपैरेंट है वर्ना वह न पहनतीं। एक मीडिया इंटरैक्शन के दौरान राखी ने कहा कि कसम खाती हूं जब मेरे डिजाइनर ने मुझे दिया तो मुझे बिलकुल नहीं पता था कि यह गाउन इतना ट्रांसपैरेंट होगा। क्योंकि जब आप गाउन पहनते हो, 25 किलो का इतना वेट था, डायमंड लगे हुए थे उसपे लेकिन जब मीडिया की सारी लाइट मेरे गाउन पे आई तो मुझे पता चला कि ओह शिट इसमें तो मेरा पूरा बॉडी दिख रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक एवं मालिक धर्मपाल सिंह द्वारा 34,0, उपाध्याय नगर ग्राम मुक्तेश्वर हापुड से प्रकाशित एवं हापुड न्यूज एंड प्रिंटिंग कंपनी, अशोक नगर शामपुर रोड हापुड, उत्तर प्रदेश से मुद्रित UPHIN/2023/51292, संपादक धर्मपाल सिंह, सभी न्याय क्षेत्र का हापुड न्यायालय होगा। संपर्क :- .9411953491, E-mail: tejyugnews@gmail.com, (इसमें छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं। सम्पादक का इन लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)